व्याख्यान - संक्षेप :

मनुष्य की **जययात्रा** आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का बहुप्रयुक्त प्रिय शब्द-संयोग है। वे लेखन में मनुष्य की **जययात्रा** का पथ प्रशस्त करने की साधना करते हैं। **जययात्रा** लक्ष्य है या प्रक्रिया? उनकी रचनाओं में इतिहास-बोध रचा बसा है। वे महाकाल के कुंठ नृत्य की बात करते हैं। वे इतिहास में रहकर इतिहास को पार करने का भी स्वप्न निर्मित करते हैं।

समाधान के दो रास्ते हैं। इतिहासबद्ध रहकर भी इतिहास के साथ-साथ यानि इतिहास से ही जूझने का रास्ता। कोई आलौकिक शक्ति प्राप्त करके देशकाल को फलांग जाने का रास्ता। द्विवेदी जी इसे **अगवाह** रास्ता कहते हैं। इस चामत्कारिक शक्ति के संधान और इतिहास से जूझने के मार्ग को आमने-सामने रखकर द्विवेदी जी ने गंभीर चिंतन और चित्रण किया है।इस दृष्टि से वे हिन्दी के अप्रतिम रचनाकार हैं।

जीवन वृत्त :

जिला बस्ती (आधुनिक सिद्धार्थनगर) के बिस्कोहर गाँव में श्रीमति सिरताजी देवी एवं श्री तेज बहादुर तिवारी जी के घर 16 फरवरी, 1931 को डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी जी का जन्म हुआ। डॉ. त्रिपाठी जी का विवाह 13 जुलाई, 1956 को कुमारी माहेश्वरी त्रिपाठी जी से हुआ। डॉ. त्रिपाठी जी ने प्रारम्भिक शिक्षा गाँव में, फिर बलरामपुर कस्बे में, उच्च शिक्षा कानपुर और वाराणसी में प्राप्त की, तदनन्तर पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ से पी.एच.डी. की उपाधि से विभूषित हुए।

डॉ. त्रिपाठी जी की महत्त्वपूर्ण कृतियाँ- प्रारम्भिक अवधी, हिन्दी आलोचना, हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, लोकवादी तुलसीदास, मीरा का काव्य, देश के इस दौर में (परसाई केन्द्रित), कुछ कहानियाँ- कुछ विचार, पेड़ का हाथ (केदारनाथ अग्रवाल केन्द्रित), जैसा कह सका (कविता संकलन), व्योमकेश दरवेश (आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी जी की जीवनी) नंगातलाई का गाँव (स्मृति-आख्यान) हैं।

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के साथ अद्दहमाण (अब्दुल रहमान) के अपभ्रंश काव्य **संदेश रासक** का सम्पादन, कविताएँ 1963, कविताएँ 1964, कविताएँ 1965 (तीनों अजित कुमार के साथ), हिन्दी के प्रहरी- रामविलास शर्मा (अरुण प्रकाश के साथ) आदि के यशस्वी सम्पादक रहे।

गोकुलचन्द्र शुक्ल आलोचना पुरस्कार, डॉ. रामविलास शर्मा सम्मान, सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार, हिन्दी अकादमी का साहित्यकार इत्यादि गौरवशाली पुरस्कारों से सम्मानित हुए।

षष्ठ कलानिधि व्याख्यानमाला एवं बाह्यप्रचार कार्यक्रम

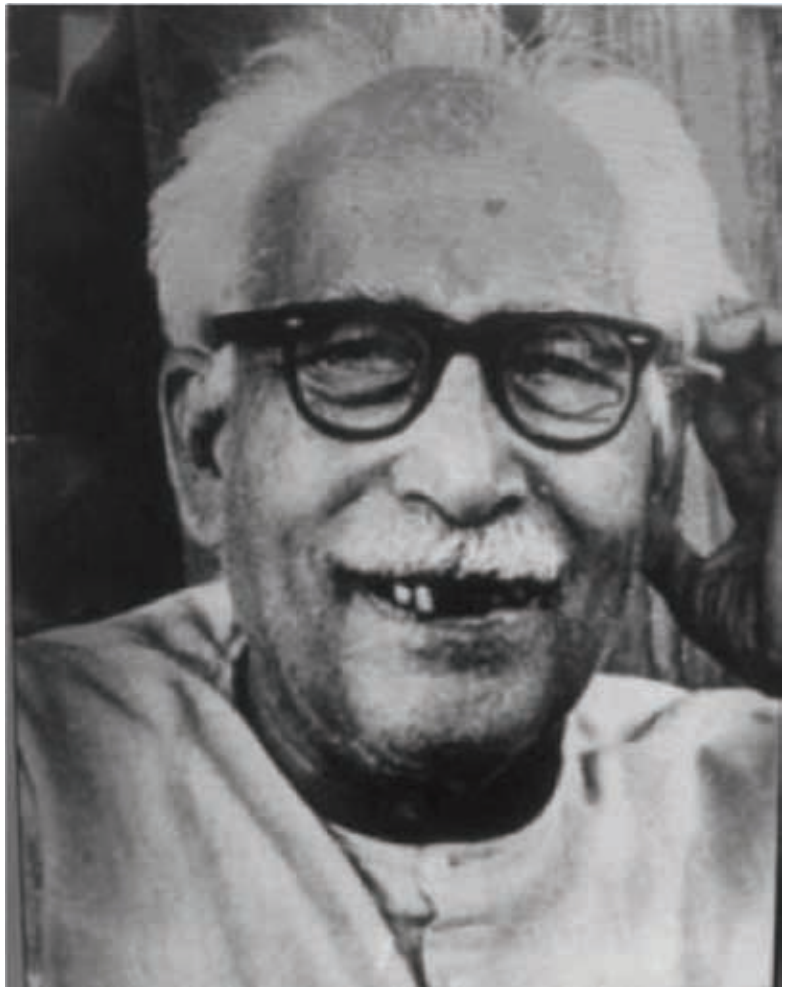

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

११, मानसिंह रोड़, नई दिल्ली - ११०००१

www.ignca.nic.in

INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS
cordially invites you to the

6th Kala Nidhi Lecture Series and
Outreach Programme

Topic

Dr. Hazari Prasad Dwivedi: *Jayayatra Ka Path*

Speaker

Dr. Vishwanath Tripathi

Retired Professor, Hindi Department, Delhi University

Date

On the Friday, August 19th, 2011 at 3.00 PM

Venue

Auditorium

Indira Gandhi National Centre for the Arts

C.V. Mess, Janpath, New Delhi-110001

Chairperson

Prof. Namvar Singh

Jawaharlal Nehru University, New Delhi

RSVP:
Dr. Ramesh C. Gaur,
Librarian & Head of the Division- Kalanidhi
011-23388333

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

षष्ठ कलानिधि व्याख्यानमाला एवं बाह्यप्रचार कार्यक्रम में
आपका हार्दिक स्वागत करता है।

विषय

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी: *जययात्रा का पथ*

वक्ता

डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी

अवकाशप्राप्त अध्यापक, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनाँक

19 अगस्त, 2011 शुक्रवार,सायं 3. 00 बजे

स्थान

सभागार, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

सी.वी. मेस, जनपथ, नई दिल्ली-110001

अध्यक्ष

प्रो॰ नामवर सिंह

जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

उत्तरापेक्षीः
डॉ. रमेश चन्द्र गौड़
पुस्तकालयाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, कलानिधि
011-23388333